गुजराती, हिन्दी और मराठी दलित साहित्य

(आत्मकथा के संदर्भ में)

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सूरत

पी-एच.डी. की उपाधि के लिए प्रस्तुत

शोध-प्रबंध की रूप-रेखा

प्रस्तावना:-

प्रस्तुत शोध-कार्य की आवश्यकता तथा महत्व:-

दलित साहित्य के स्वरूप तथा गुजराती, हिन्दी एवम् मराठी दलित साहित्य पर अलग-अलग रुप में शोधेर्थियों एवम् विद्वानों ने बहुत लिखा है। जैसे- 'दलित-विमर्श' (डॉ.नरसिंह वणकर), 'दलित साहित्य की भूमिका' (हरपाल सिंह), 'दलित-हस्तक्षेप' (रमणिका गुप्ता), 'समकालीन हिन्दी दलित साहित्य: एक अध्ययन' (डॉ. जीतूभाई मकवाणा), 'हिन्दी दलित साहित्य में अस्मिता' (कालीचरण स्नेही), 'दलित साहित्य: उद्देश्य और वैचारिकता' (बाबूराव बागुल) आदि। किन्तु इन तीनों गुजराती, हिन्दी और मराठी भाषा के दलित साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन मेरी जानकारी में नहीं हुआ है। इस रूप में प्रस्तुत शोध-कार्य मौलिक ही होगा।

शोध-विश्लेषण-पद्धति:-

प्रस्तुत साहित्यिक शोध कार्य प्रवृत्तिमूलक व प्रभावमूलक दृष्टि से किया गया है। मूल रुप से यह समाजशास्त्रीय अध्ययन है। क्योंकि इसमें साहित्य-संरचना के विश्लेषण से प्राप्त सामाजिक मूल्यों के आधार पर दलित-जीवन का मूल्यांकन किया गया है।

प्रस्तुत शोध-कार्य का सामाजिक देय भी रहेगा। इस अध्ययन के द्वारा इस बात की जानकारी लगेगी कि हमारे संविधान में दलितोद्धार के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं, फिर भी दलित अपने मूल अधिकारों से वंचित हैं। दलित साहित्य का सर्जन दलित एवम् अन्य जाति के लेखकों द्वारा

किया गया हैं। इन दोनों द्वारा चित्रित दलित-वर्णन से इस बात का भी पता चलेगा कि दलितों की पहले क्या स्थिति थी? और आज क्या है? इस रूप में प्रस्तुत शोध-कार्य दलित-जीवन का दस्तावेज बन सकता है।

शोध-दृष्टि:-

अपने शोध-कार्य के लिए मैंने यथा संभव पूर्वग्रह रहित तटस्थ दृष्टिकोण को अपनाया है। शोध-कार्य के अंतर्गत राग और विराग दोनों से बचकर निष्पक्ष विश्लेषण करना का मेरा प्रयत्न रहा है। प्रस्तुत शोध-प्रबंध को छः अध्यायों में विभाजित किया गया है-

प्रथम अध्याय

'दलित'-शब्द: उत्पत्ति, अर्थ एवम् परिभाषाएँ

इस अध्याय के अंतर्गत 'दलित' शब्द की उत्पत्ति, दलित शब्द का अर्थ व परिभाषाएँ देकर दलित साहित्य का स्वरूप स्पष्ट किया गया है।

*****

द्वितीय अध्याय

भारतीय दलित आन्दोलन एवम् दलितोद्धर

इस अध्याय के अंतर्गत दलितों द्वारा अपने अधिकारों की प्राप्ति व भोग के लिए किए गए आन्दोलन का परिचय देते हुए, इन दलितों के उद्धार के लिए कबीर, रैदास, डॉ. बाबासाहब आम्बेडकर, महात्मा गाँधी, महात्मा ज्योतिबा फूले, महाराज सयाजीराव गायकवाड, पेरियार ई.वी. रामास्वामी नायकर आदि द्वारा किए गए प्रयासों का परिचय दिया गया है।

*****

तृतीय अध्याय

गुजराती, हिन्दी एवम् मराठी दलित साहित्य: विकास-क्रम:

इस अध्याय के अंतर्गत गुजराती, हिन्दी तथा मराठी भाषा में रचित दलित साहित्य (आत्मकथा) के उद्भव और विकास को दर्शाया गया है। इनके अतिरिक्त अन्य भारतीय भाषाओं में रचित दलित-साहित्य का भी परिचय दिया गया है।

*****

चतुर्थ अध्याय

दलित-आत्मकथा-साहित्य: वस्तु-संघटन

इस अध्याय के अंतर्गत गुजराती, हिन्दी और मराठी दलित आत्मकथा साहित्य की प्रमुख रचनाओं के कथानकों संक्षेप में देते हुए उनकी लाक्षणिकताएँ उजागर की गई है।

*****

पंचम् अध्याय

दलित आत्मकथा साहित्य में चित्रित संघर्षशील चेतना

प्रस्तुत 'दलित आत्मकथा साहित्य में चित्रित संघर्षशील चेतना' शीर्षक अध्याय के अंतर्गत गुजराती, हिन्दी तथा मराठी भाषाओं की दलित आत्मकथा साहित्य की प्रमुख कृतियों के मुख्य संघर्षशील पात्रों का परिचय दिया गया है।

*****

षष्ठम् अध्याय

दलित आत्मकथा साहित्य में चित्रित समस्याएँ

इस अध्याय के अंतर्गत गुजराती, हिन्दी तथा मराठी दलित आत्मकथा साहित्य में चित्रित दलित-समाज-जीवन का परिचय देते हुए उनकी समस्याओं को उजागर किया गया है। तथा इन समस्याओं के कारणों को उकेरा गया है। अंत में गुजराती, हिन्दी तथा मराठी के दलित साहित्य में चित्रित इन समस्याओं की तुलना की गई है।

*****

उपसंहार

इसके अंतर्गत सभी अध्यायों का निष्कर्ष एवम् मूल्याकंन प्रस्तुत किया गया है। शोध-प्रबंध के अंत में परिशिष्ट के अंतर्गत शोध-प्रबंध में प्रयुक्त सर्जनात्मक व आलोचनात्मक पुस्तकों, पत्र-पत्रिकाओं आदि की सूची प्रस्तुत की गई है।

कृतज्ञता-ज्ञापन

सबसे पहले मैं मेरे निर्देशक सम्मानीय डॉ. उत्तमभाई पटेल (अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, श्री वनराज आर्टस एण्ड कॉमर्स कॉलेज, धरमपुर) के प्रति ह्रदय से आभार प्रकट करती हूँ। जिनके सुचारु व विद्वत्तापूर्ण मार्गदर्शन के कारण यह शोध-कार्य पूर्ण हो सका। धरमपुर कॉलेज के माननीय प्राचार्य श्री योगेशकुमार भट्ट तथा कार्यालय के कर्मचारियों से भी मुझे पूरा सहयोग मिला है, अत: उनके प्रति आभार व्यक्त करती हूँ।

इस शोध-कार्य के लिए मेरी माता श्रीमती जशुबेन, परम पूज्य पिता श्री गणपतभाई, भैया राजेश, भाभी हेतलबेन, मेरी दीदी-जीजाजी ने महत्वपूर्ण सहयोग दिया है। उन्हें भी धन्यवाद देना मैं अपना कर्तव्य समझती हूँ। मेरे भतीजे पार्थ-तीर्थ की किलकारियों और बाल सुलभ क्रीडाओं से लेखन में मेरा उत्साह बना रहा।

मैं हार्दिक कृतज्ञ हूँ भारतीय दलित पेन्थर, गुजरात के स्थापकों में से एक साहित्यकार और मेरे पितृतुल्य आदरणीय श्री डॉ. रमेशचन्द्र परमारजी का। जिन्होंने शोध कार्य में आनेवाली जटिल समस्याओं को सुलझाने में मेरी सहायता की। अजीत सर की मैं बहुत आभारी हूँ, जिन्होंने इस शोध कार्य में मेरा होंसला बढाया।

इनके अलावा जिन-जिन लोगों का प्रत्यक्ष व परोक्ष रुप से मुझे सहयोग, शुभेच्छाएँ व प्रोत्साहन मिला है, उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करना मेरा कर्तव्य बनता है।

सूरत

दि. (हेतल चौहाण) (डॉ. उत्तमभाई पटेल)

शोधार्थी निर्देशक

अध्याय- १

दलित: शब्द-उत्पत्ति, अर्थ एवम् परिभाषाएँ

प्रस्तावना-

१. वर्णव्यवस्था

२. शूद्रों की उत्पत्ति

३. 'शूद्र' अर्थ, परिभाषा, मत

४. शूद्रों के भेद

४. १ अबहिष्कृत शूद्र

४. २ बहिष्कृत शूद्र

५. अपवाद विद्वान शूद्र

६. दलित जाति का उद्‌भव

७. 'दलित'- अर्थ, परिभाषा, विविध मत

७. १ अर्थ

७.२. 'दलित' शब्द का विविध शब्दकोशो में अर्थ

८. दलित शब्द की परिभाषा

९. दलित साहित्य का स्वरुप

१०. दलित साहित्य की परिभाषा

११. निष्कर्ष

अध्याय- २

भारतीय दलित आन्दोलन एवम् दलितोद्धार

प्रस्तावना

१. मंदिर प्रवेश आन्दोलन

१.१ कालाराम मंदिर प्रवेश आन्दोलन

१.२ चवदार तालाब आन्दोलन

१.३ होटल प्रवेश आन्दोलन

१.४ बस प्रवेश आन्दोलन

१.५ वायकोम आन्दोलन

२. दलित आन्दोलन में दलित पत्र-पत्रिकाओं का योगदान

३. दलित राजनैतिक पार्टियों की भूमिका

३.१ शैडयुल्ड कास्ट फैडरेशन

३.२ रिपब्लकन पार्टी ऑफ इण्डिया

३.३ बहुजन समाज पार्टी

३.४ लोकजन शक्ति पार्टी

४. दलित उद्धारकों का योगदान

५. निष्कर्ष

अध्याय- ३

गुजराती, हिन्दी एवम् मराठी दलित साहित्य: विकास-

प्रस्तावना

१. भारतीय दलित-साहित्य

१.१ तेलुगु दलित साहित्य

१.२ कन्नड दलित साहित्य

१.३ मलयालम दलित साहित्य

१.४ उडिया दलित साहित्य

१.५ पंजाबी दलित साहित्य

१.६ संस्कृत दलित साहित्य

२. गुजराती दलित साहित्य

२.१ कविता

२.२ उपन्यास

२.३ कहानी

२.४ नाटक

२.५ आत्मकथा

३. हिन्दी दलित साहित्य

३.१ कविता

३.२ उपन्यास

३.३ कहानी

३.४ नाटक

३.५ आत्मकथा

४. मराठी दलित साहित्य

४.१ कविता

४.२ उपन्यास

४.३ कहानी

४.४ नाटक

४.५ आत्मकथा

५. निष्कर्ष

अध्याय- ४

दलित आत्मकथा-साहित्य:वस्तु-संघटन

प्रस्तावना

१. आत्मकथा की परिभाषा

१.१ आत्मकथा के लक्षण

१.१.१ अनुभूतिगत लक्षण

१.१.२ अभिव्यक्ति लक्षण

२. दलित आत्मकथा

२.१ जूठन

२.२ अपने-अपने पिंजरे- भाग-१

२.३ अपने-अपने पिंजरे- भाग-२

२.४ मेरा सफर मेरी मंज़िल

२.५ उपरा (पराया)

२.६ आमचा बाप आणि आम्ही (असीम है आसमाँ)

२.७ अछूत

२.८ पूर्ण सत्य भाग-१

२.९ पूर्ण सत्य भाग-२

२.१० थुहर का फूल भाग-१

२.११ थुहर का फूल भाग-२

२.१२ जीवन संघर्ष

३. निष्कर्ष

अध्याय- ५

दलित आत्मकथा साहित्य में चित्रित संघर्षशील चेतना

प्रस्तावना

१. जूठन

१.१ ओमप्रकाश वाल्मीकि

१.२ ओमप्रकाश वाल्मीकिजी के पिताजी

१.३ ओमप्रकाश वाल्मीकिजी की माताजी

२. अपने-अपने पिंजरे

२.१ मोहनदास नैमिशराय

३. मेरा सफर मेरी मंज़िल

३.१ डॉ. डी.आर.जाटव

४. उपरा

४.१ लक्ष्मण माने

४.२ लक्ष्मण माने के पिताजी

५. आमचा बाप आणि आम्ही

५.१ दामू

५.२ दामू की पत्नी- सोनू

६. अछूत

६.१ दया पवार

७. पूर्ण सत्य

७.१ बी. केशरशिवम्

८. थुहर का फूल

८.१ पी.के.वालेरा

९. जीवन संघर्ष

९.१ डाह्याभाई दिनबंधु

१०. निष्कर्ष

अध्याय- ६

दलित आत्मकथा साहित्य में चित्रित समस्याएँ

प्रस्तावना

१. विवेच्य आत्मकथाओं में चित्रित दलित समाज-जीवन

२. हिन्दी आत्मकथाओं में चित्रित दलित समाज-जीवन

३. गुजराती आत्मकथाओं में चित्रित दलित समाज-जीवन

४. मराठी आत्मकथाओं में चित्रित दलित समाज-जीवन

५. विवेच्य आत्मकथाओं में चित्रित दलित जीवन की समस्याएँ

५.१ अस्पृश्यता की समस्या

५.२ मंदिर प्रवेश की समस्या

५.३ आर्थिक समस्या

५.४ शैक्षिक समस्या

५.५ धार्मिक शोषण की समस्या

५.६ बेगार की समस्या

५.७ अंध-विश्वास, अन्याय एवम् अत्याचार की समस्या

५.८ यौन-शोषण की समस्या

५.९ धर्मान्तरण की समस्या

६. निष्कर्ष

*****

उपसंहार

*****

परिशिष्ट

संदर्भ-सूची-

१. आधार ग्रंथ-सर्जनात्मक ग्रंथ-

१. अछूत-दया पवार (अछूत), हिन्दी-अनुवादक-दमोदर खडसे, राधाकृष्ण प्रकाशन प्राईवेट लिमिटेड, नई दिल्ली, प्रथम संस्करण-१९९८

२. अपने-अपने पिंजरे, मोहनदास नैमिशराय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, प्रथम संस्करण-१९९५

३. अपने-अपने पिंजरे, मोहनदास नैमिशराय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, प्रथम संस्करण-२०००

४. आमचा बाप आणि आम्ही-डॉ. नरेन्द्र जाधव(असीम है आसमाँ), हिन्दी-अनुवाद- कमलाकर सोनटक्के और अजय ब्रह्मात्मज, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, प्रथम संस्करण-२००६

५. उपरा- लक्ष्मण माने (पराया), हिन्दी अनुवाद-दामोदर खडसे, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, प्रथम संस्करण- १९९३

६. जूठन-ओमप्रकाश वाल्मीकि, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, प्रथम संस्करण-१९९७

७. जीवन संघर्ष- डाह्याभाई दिनबंधु, २, सेवाकुंज, पारस सोसायटी, महेसाणा, संस्करण-

८थुहर का फूल-भाग-१-पी.के. वालेरा, ४, भावकुंज सोसायटी, सेटेलाइट, अहमदाबाद, प्रथम संस्करण-२००७

९.थुहर का फूल-भाग-२-पी.के. वालेरा, ४, भावकुंज सोसायटी, सेटेलाइट, अहमदाबाद, प्रथम संस्करण-२०१०

१०. पूर्ण सत्य-बी. केशरशिवम्, नवभारत साहित्य मंदिर, अहमदाबाद, प्रथम संस्करण-२००७

११. मेरा सफर मेरी मंज़िल- डॉ.डी.आर.जाटव, समंता साहित्य, जयपुर, प्रथम संस्करण-२०००

२. आलोचनात्मक ग्रंथ

१. चिंतन की परंपरा और दलित साहित्य- डॉ. श्यौराजसिंह बैचेन और डॉ. देवेन्द्र चौवे, हिन्दी बुक सेन्टर, नई दिल्ली, प्रथम संस्करण- २०१०

२.दलित चेतना साहित्यिक एवम् सामाजिक सरोकार- रमणिका गुप्ता, समीक्षा प्रकाशन, प्रथम संस्करण- २००१

३. दलित राजनीति और संगठन - भगवानदास, दलित वर्ल्ड लाईब्रेरी, नई दिल्ली, संस्करण-२००२

४. दलित विमर्श- डॉ. नरसिंहदास वणकर, चिंतन प्रकाशन, कानपुर, संस्करण-२००७

५. दलित शिक्षा का परिदृश्य-कुसुम यदुलाल, कलपझ प्रकाशन, नई दिल्ली, प्रथम संस्करण- २००५

६. दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र- ओमप्रकाश वाल्मीकि, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, प्रथम संस्करण- २००५

७. परंपरागत वर्ण-व्यवस्था और दलित साहिस्य-साक्षात मस्के, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, प्रथम संस्करण-

८. प्रतिध्वनि-हरीश मंगलम्, हिन्दी अनुवाद- गिरीश रोहित, नवभारत प्रकाशन, संस्करण-२००८

९. प्रत्यायन- भी.न.वणकर, ५/६, गायत्री सोसायटी, सेक्टर२७, गांधीनगर, गुजरात, प्रथम संस्करण- १९९४

१०. बहुजन समाज- मोहनदास नैमिशराय हिन्दी बुक सेन्टर, नई दिल्ली, संस्करण-२००३

११. विविध प्रसंग भाग-२-प्रेमचंद, नई दिल्ली, प्रथम संस्करण-१९८०

१२. शूद्रों का प्राचीन इतिहास-रामशरण शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, प्रथम संस्करण-१९९७

१३. समकालीन हिन्दी दलित साहित्य एक अध्यय- जीतूभाई मकवाणा, दपर्ण प्रकाशन, संस्करण-२००४

१४. संस्कृति के चार अध्याय-रामधारीसिंह दिनकर, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली, प्रथम संस्करण-१९५६

१५. हिन्दी काव्य में दलित काव्यधारा-माता प्रसाद, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, प्रथम संस्करण-१९९३

१६. हिन्दू वर्ण-व्यवस्था समाज परिवर्तन अने गुजरातना दलितो-मकरंद महेता, अमी पब्लिकेशन, अहमदाबाद, प्रथम संस्करण-

३. शब्दकोश

१. गुजराती-हिन्दी कोश- गुजरात विद्यापीठ- विनोद रेवाशंकर त्रिपाठी, प्रथम संस्करण-१९६१

२. नालंदा विशाल शब्द सागर- श्रीनवलजी, प्रथम संस्करण-२००४

३. प्रमाणित हिन्दी कोश-आचार्य रामचंद्र वर्मा लोकभारती प्रकाशन, संस्करण-२००९

४. भगवद्गोमंडल, प्रविण प्रकाशन, भाग-५, (गुजराती)संस्करण-१९६७

५. संक्षिप्त-हिन्दी शब्द सागर-नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, संस्करण- १९६९

६. संस्कृत-हिन्दी कोश- वामन शिवराम आप्टे,

७. The practical Sanskrit-English Dictionary, Vaman Shivam Apte, M. Banarsidass, Dilhi, 1998

४. पत्रिकाएँ

१. अपेक्षा- दलित आत्मवृत विशेषांक, जुलाई-सितम्बर-२००३

२. अपेक्षा-लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए संघर्ष- रमेश निर्मल, जुलाई-सितम्बर-२००३

३. महाराष्ट्र मानस- १० अप्रैल, १९९०

४. विट्वीन द लाइन्स, कुलदीप नायर, संदेश, दि. ९/१०/२००२

५. सारिका-समांतर कहानी विशेषांक- ७ अप्रैल, १९९४